नगर निगमों को भी बनाएं आत्मनिर्भर : मुख्यमंत्री योगी

अपने सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री ने की नव निर्वाचित छह मेयरों से मुलाकात

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हाल ही में संपन्न हुए उत्तर प्रदेश नगरीय निकाय चुनावों में नव निर्वाचित नगर निगम मेयरों से अपने सरकारी आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी मेयरों को विजय पर बधाई और शुभकामनाएं देने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के विजन यानी 'आत्मनिर्भर भारत' की तर्ज पर अपने-अपने नगर निगमों को भी आत्मनिर्भर बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने नगर निगमों की आय बढ़ाने से लेकर क्षेत्रीय समस्याओं के निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के समर्थन के साथ सभी मेयरों को नगर निगमों की एक सकारात्मक छवि बनाने को कहा।

कुछ नया करने का दिया सुझाव

नगर निगमों में चुनाव जीतकर आए भाजपा के छह मेयर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात करने उनके सरकारी आवास पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने सभी मेयरों को %कुछ अच्छा% और %कुछ नया% करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय समस्याओं के निस्तारण के प्रति सक्रिय और सजग रहने को भी कहा। मेयरों को अंडरग्राउंड केबलिंग के कार्य को प्राथमिकता पर रखने के साथ ही कूड़ा प्रबंधन में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट को भी तरजीह देने की बात की। इसके अलावा नगरीय इलाकों में आवारा कुत्तों की समस्याओं के निराकरण को भी प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए।

विभिन्न माध्यमों से बढ़ाएं नगर निगम की आय : मुलाकात में मुख्यमंत्री योगी ने नगर निगमों की आय को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की चर्चा को प्रमुखता से रखा। उन्होंने नगर निगम के टैक्सेशन में सुधार समेत आय के अन्य साधनों पर जोर देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टैक्सेशन के लिए आम नागरिकों को सुविधाएं प्रदान की जाएं, ताकि वे सरलता से अपने टैक्स जमा कर सकें। कहीं ऐसी कोई समस्या न आने पाए कि डिफॉल्ट की स्थिति उत्पन्न हो। लोगों को टैक्स जमा करने के प्रति जागरूक किया जाए। ऑनलाइन सुविधाएं प्रदान की जाएं। मुख्यमंत्री ने मेयरों को जनप्रतिनिधियों के संपर्क में रहने और उनके साथ तालमेल बनाकर काम करने के लिए भी कहा है।

समस्याओं के निदान पर भी दिए निर्देश

मुख्यमंत्री योगी ने ऐसी समस्याओं के निदान पर भी जोर दिया, जो सभी नगर निगमों में एक जैसी हैं। इनमें सड़क पर जलभराव की स्थिति को सुधारने, नाला सफाई और स्वच्छता समेत अन्य अहम समस्याएं शामिल रहीं। अवैध टैक्सी स्टैंड को लेकर भी उनकी चिंता दिखी। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में अवैध टैक्सी स्टैंड को चिन्हित कर उन्हें हटाने की कार्यवाही की जाएं। इन अवैध टैक्सी स्टैंड के अल्टरनेटिव पर भी काम किया जाए, ताकि आम लोगों को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी बड़े चौराहों पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लगाने के निर्देश दिए गए थे, जहां अभी ये कार्य न हुआ हो, वहां प्राथमिकता के आधार पर इसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले मेयरों में मुरादाबाद के मेयर विनोद अग्रवाल, वाराणसी के मेयर अशोक तिवारी, कानपुर की मेयर प्रमिला पांडेय, बरेली के मेयर उमेश गौतम, फिरोजाबाद की मेयर कामिनी राठौर और सहारनपुर के मेयर डॉ. अजय कुमार सिंह शामिल रहे।

सपा के पास कोई मुद्दा नहीं बचा : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को कहा कि समाजवादी पार्टी को जनता ने खारिज कर दिया है। सपा के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार लगातार प्रदेश के विकास के लिए काम कर रही है। उप मुख्यमंत्री की पत्नी नम्रता पाठक ने वट अमावस्या के अवसर पर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर पत्रकारों से ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमने ईश्वर से प्रदेश में सुख और शांति की कामना की है। उन्होंने 'वट मूल तोपवासा' प्रकृति व मानव के अटूट बंधन, सौभाग्य की वृद्धि एवं पतिव्रत के संस्कारों के प्रतीक वट सावित्री व्रत - पूजन की देश व प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

'स्किल इंडिया-मेक इन इंडिया' से राष्ट्रीय आय में हुई अप्रत्याशित बढ़ोतरी : डॉ सुधीर गिरि

मेरठ

वेंकटेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ सुधीर गिरि ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्किल इण्डिया-मेक इन इण्डिया' से आज देश में 'अन्त्योदय' तक युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है और राष्ट्रीय आय में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है।

एनएच-58 बाईपास स्थित वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वीजीआई मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में 'स्किल इण्डिया-मेक इन इण्डिया, इट्स इम्पैक्ट तत्वावधान एण्ड चेलेन्ज' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से आये शिक्षाविदों ने अपने विचार रखें।

सीएसएमएस इंस्टीट्यूट कालीकट केरल की चेयरमैन डॉ साजिया आजिथ ने कहा कि भारतीय युवा स्किल इण्डिया, नवाचारों एवं प्रौद्योगिकी के दम पर राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर धाक जमा रहे हैं। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने कहा कि भारत को विश्व की 'स्किल कैपिटल' बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के मिशन में सहभागिता करते हुए देश में सबसे ज्यादा वोकेशनल/स्किल पाठ्यक्रम वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय संचालित कर रहा है। शिक्षाविदों ने 'स्किल इण्डिया-डिजिटल इण्डिया, मेक इन इण्डिया' के दम पर भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री के देश को विश्व की 'स्किल कैपिटल' बनाने के मिशन में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर समूह चेयरमैन डॉ सुधीर गिरि और प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने देशभर से आए शिक्षाविदों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलपति प्रो. राकेश यादव, डॉ चिन्नामणि, कुलसचिव प्रो. पीयूष पांडेय, डॉ एम. असलम, मारुफ चौधरी, विक्रांत चौधरी, अरुण गोस्वामी, नीतू श्रीपाल, अखिल नायर, एसएस बघेल, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किश्त मिलेगी तुरंत : पोस्टमास्टर जनरल

वाराणसी

'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना के अंतर्गत अप्रैल से जुलाई 2023 की अवधि हेतु 14वीं किश्त का किसानों को बेसब्री से इंतज़ार है। इनमें तमाम किसान ऐसे हैं, जिनका बैंक खाता आधार और मोबाईल नंबर से लिंक नहीं है।

गुरूवार को वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि अब इन लाभार्थी किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ने डाकघर और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से इनके आधार और मोबाईल लिंक्ड नए खाते खोलने की पहल की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों के लिए पूरे राज्य में प्रत्येक ग्राम पंचायत में वृहद ग्राम पंचायत शिविर का आयोजन 22 मई से 10 जून के बीच करने जा रही है, जिसमें समस्त जनपदीय उप कृषि निदेशक अपने-अपने जनपद में तैनात इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के प्रतिनिधि अधिकारियों से संपर्क कर गाँव-गाँव में शिविरों का आयोजन कराना सुनिश्चित करेंगे। इन शिविरों में डाक विभाग द्वारा 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' हेतु किसानों के नए इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खाते खोलकर तत्काल आधार से लिंक करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान तुरंत ही लाभार्थी किसान के आधार कार्ड नंबर और मोबाइल नंबर के माध्यम से उनका नया खाता आईपीपीबी द्वारा चंद मिनटों में ही खोलकर उसमें आधार सीडिंग का कार्य पूर्ण किया जायेगा, जिससे किसानों को आगामी किश्त से वंचित नहीं रहना पड़ेगा।

पति के दीर्घ स्वस्थ जीवन के लिए सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री को पूजा

मीरघाट, धर्मकूप स्थित वट सावित्री माता के पूजन के लिए उमड़ी भीड़

वाराणसी।

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर शुक्रवार को काशीपुराधिपति की नगरी में सुहागिन महिलाओं ने पति के सुदीर्घ स्वस्थ जीवन के लिए व्रत रख वट सावित्री माता की पूरे आस्था के साथ विधि विधान से पूजा की। बरगद (वट), पीपल पेड़ की परिक्रमा कर माता सावित्री से अटल सौभाग्य की कामना की।

वट सावित्री पूजन के लिए पूर्वाह्न से ही सुहागिन महिलाएं परिजनों के साथ आसपास के बरगद और पीपल के पेड़ के नीचे जुटने लगी। नव विवाहित सुहागिनों में व्रत को लेकर खासा उत्साह दिखा। व्रती महिलाओं ने उपवास रखकर विधि विधान पूर्वक बरगद वृक्ष का पूजन किया। अपने सुहाग (पति) के दीर्घ जीवन के लिए महिलाओं ने सूत से बरगद के तने को लपेट 108 बार परिक्रमा लगाई। इसके बाद हलवा, पूड़ी, खरबूजा आदि प्रसाद चढ़ाया। मीरघाट, धर्मकूप स्थित वट सावित्री माता के पूजन के लिए भी महिलाओं की भारी भीड़ जुटी रही।

इस दौरान पति की दीर्घायु के लिए व्रती सुहागिनों ने माता को सोलहों श्रृंगार की वस्तुएं, फल और प्रसाद चढ़ाकर वट वृक्ष पर मौली लपेटी और फेरी लगाकर अखंड सौभाग्य का वरदान मांगा। पूरे जिले में महिलाओं ने वट सावित्री पूजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया।पौराणिक मान्यता है कि भद्र देश के राजा की पुत्री सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा के लिए वटवृक्ष के नीचे ही उनका पार्थिव शरीर रख वटवृक्ष पूजन किया था। जब पति सत्यवान के प्राण लेकर यमराज जाने लगे तो सावित्री भी उनके पीछे-पीछे चल दी। सावित्री के पतिव्रता धर्म के आगे बेबस यमराज ने उनसे वरदान मांगने को कहा। इस पर सावित्री ने यमराज से पहला वरदान सास-ससुर को नेत्र ज्योति देने, दूसरा वरदान पुत्रवती होने का मांगा। यमराज तथास्तु कह सत्यवान के प्राण लेकर जाने लगे तो सावित्री उनके पीछे-पीछे चल दी। यमराज ने मुड़कर देखा वरदान देने के बाद भी सावित्री पीछे आ रही है तो रूक कर सवालिया निगाह से देखा। इस पर सावित्री ने कहा कि पति को आप ले जा रहे हैं तो मैं पुत्रवती कैसे होऊंगी। यह सुन यमराज को गलती का एहसास हुआ और उन्होंने सत्यावान के प्राण वापस कर दिए। ऐसी मान्यता है कि सावित्री ने वटवृक्ष के नीचे ही पति का शव रख पूजन कर उनके प्राणों को वापस पाया था।

खास खबरें

यहां पशुओं को भी मिलती है रविवार की छुट्टी, आज भी कायम है 100 साल पुरानी परंपरा

नई दिल्ली। भारत अपने विशाल भौगोलिक क्षेत्र के अलावा सांस्कृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। भारत के गांव में आज भी सैकड़ों साल पुरानी कई अनोखी परंपरा जीवित हैं और इन परंपराओं का निर्वाह लगातार आने वाली पीढ़ियां कर रही हैं। ऐसी ही एक यूनिक परंपरा झारखंड के लातेहार गांव में है, जहां पर इंसानों की तरह पशुओं को भी 1 दिन की छुट्टी दी जाती है। गांव वाले बताते हैं कि यह परंपरा उनके पूर्वजों द्वारा शुरू की गई थी। इसका पालन आज भी गांव के सभी घरवाले कर रहे हैं। लातेहार गांव के लोगों का मानना है कि यहां पशु और मनुष्य का संबंध सालों साल से यूं ही चलता चला रहा है जिस तरह लोग मनुष्यों के सुख - सुविधाओं का ख्याल रखते हैं, वैसे ही यहां पर पशुओं की भी सुख - सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाता है।

रविवार की मिलती है छुट्टी : झारखंड के लातेहार गांव में रविवार के दिन सभी पशुओं को अवकाश दे दिया जाता है और इस दिन इनसे किसी भी तरह का काम नहीं लिया जाता है। वहां के ग्रामीणों की मानें तो जिस तरह मनुष्यों को आराम करने के लिए एक दिन सुनिश्चित है, उसी तरह पशुओं को भी आराम की जरूरत होती है और उन्हें हफ्ते में एक दिन आराम दिया जाना चाहिए।

10 दशक पुरानी परंपरा : गांव वालों का कहना है कि करीब 10 दशक पहले एक बार खेत में काम करते हुए एक बैल की मौत हो गई थी।

ये हैं दुनिया की पांच सबसे जहरीली मकड़ियां काटने से पलभर में हो सकती है इंसान की मौत

नई दिल्ली।

धरती पर कई तरह के जीव पाए जाते हैं। इनमें कई बेहद खूबसूरत होते हैं, तो वहीं कुछ बहुत खतरनाक होते हैं। इन जीवों में पाए जाने वाले जहर किसी को भी पल भर में मौत की नींद सुला सकते हैं। इसी कड़ी में आज हम आपको दुनिया की पांच बेहद जहरीली मकड़ियों के बारे में बताने वाले हैं, जिनके काटने से इंसान की पल भर में ही मौत हो सकती है।

दुनिया में 50 हजार से ज्यादा मकड़ियों की प्रजातियां पाई जाती हैं। वैज्ञानिकों ने 265 साल में इनकी जानकारी हासिल की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मकड़ियां हर साल लगभग 40 से 80 टन कीड़ों को खा जाती हैं। प्राकृतिक संतुलन बनाने का काम करती हैं। इनमें कई इतनी खतरनाक होती हैं कि अपने से कई गुना बड़े सांप को भी मार देती हैं और उन्हें खा जाती हैं। 50 हजार में से 43 हजार मकड़ियों की प्रजातियां जहरीली हैं।

फनेल वेब स्पाइडर : ऑस्ट्रेलिया में सबसे अधिक जहरीली मकड़ियां पाई जाती हैं। सिडनी फनेल वेब स्पाइडर दुनिया की सबसे जहरीली

और खतरनाक मकड़ी है। इस मकड़ी का वैज्ञानिक नाम एट्रैक्स स्टॉक्सस है। यह शिकार करने के मामले में बेहद खतरनाक मकड़ी है। इसके जहर से किसी बच्चे की कुछ ही मिनट में मौत हो सकती है। इसका आकार एक फनल की तरह होता है, जिसकी वजह से इसे सिडनी फनल कहा जाता है। नम क्षेत्रों में यह रहती हैं।

वांडरिंग स्पाइडर : गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अनुसार, ब्राजीलियन वांडरिंग स्पाइडर दुनिया की सबसे जहरीली मकड़ी है। इसमें पाए जाने वाला न्यूरोटॉक्सिन जहर इतना घातक होता है कि इसके काटने से किसी भी इंसान की पल भर में ही मौत हो सकती है। मकड़ी के काटने के बाद इंसान का उसकी मांसपेशियों पर नियंत्रण खत्म हो जाता है और सांस की समस्या भी होने लगती है। इस मकड़ी के काटने से अब तक कई लोगों की मौत चुकी है।

ब्राउन रिक्लूज स्पाइडर : दुनिया की सबसे जहरीली मकड़ियों में ब्राउन रिक्लूज स्पाइडर का नाम भी आता है। इसे विओलिन या फिडल बैक स्पाइडर के नाम से भी जानते हैं। यह मकड़ी ज्यादातर अमेरिका के मध्य-पश्चिमी और दक्षिण पूर्वी हिस्सों में मिलती है।

रेडबैक विडो स्पाइडर : ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली रेडबैक स्पाइडर मकड़ियों के पीछे का रंग लाल होता है। इसकी वजह से इनको आसानी से पहचाना जा सकता है। यह मकड़ियां शिकार करने के मामले में बेहद घातक होती हैं। इनके काटने के कई मामले अक्सर सामने आते रहते हैं।

सिक्स आई सैंड स्पाइडर : सिक्स आई सैंड स्पाइडर भी दुनिया की जहरीली मकड़ियों में शामिल है। इस मकड़ी का वैज्ञानिक नाम सिकेरियस है, जिसका अर्थ %कातिल% है। यह मकड़ियां रेत में अक्सर छिपी होती हैं, जैसे ही कोई इनके पास आता है। उन्हें यह पल भर में ही अपना शिकार बना लेती हैं। इनके काटने से व्यक्ति की चंद घंटों में मौत हो सकती है।

महिला ने दिया 3 बच्चों को जन्म तीनों दिखने में एक जैसे, सामने आया ये दुर्लभ नजारा

नई दिल्ली । दुनिया में कई बार ऐसे वाकये देखने को मिले हैं, जब एक साथ दो या दो से अधिक बच्चे पैदा हुए हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर दो या उससे अधिक बच्चे पैदा हों और उनकी शक्ल लगभग एक जैसी हो तो यह बहुत ही दुर्लभ मामला होगा। हाल ही में एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां एक महिला ने तीन बच्चियों को जन्म दिया और तीनों की शक्ल एक जैसी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना इंग्लैंड के यॉर्कशायर की है। यहां की रहने वाली 31 साल की जेनी नामक महिला ने 3 बच्चों को जन्म दिया है। और इन तीनों की शक्ल एक जैसी है। तीनों में अंतर कर पाना लगभग नामुमकिन है। बताया जा रहा है तीनों बच्चे समय से 6 हफ्ते पहले पैदा हुए थे और उस समय उनकी हालत कुछ ठीक नहीं थी। लेकिन थोड़े समय अस्पताल में रहने के बाद अब उनको डिस्चार्ज कर दिया गया है। तीनों की शक्ल एक होने से यह एक दुर्लभ केस हो गया है। क्योंकि एक साइंस जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा बीस करोड़ में एक मामला होता है जब दो या दो से अधिक बच्चे पैदा हों और उनकी शक्ल एक जैसी हो।

आपका राशिफल 20 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर चर्चा होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक 2 6 8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगें। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व सामन्जस्य काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ ये यो)

जीवनसाथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-धूप से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे ना जी खी जू खे खो गा गी)

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में उन्नति बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा शी सू से सो दा दी दू दे)

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम को कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-6-9

फांसी पर लटकने के बाद जिंदा हुई थी 'मैगी', रोंगटे खड़े कर देगी 300 साल पुरानी कहानी

नई दिल्ली।

कहावत है कि काम, क्रोध, लोभ, मोह, ईष्या, द्वेश और भय जैसे अवगुण हर इंसानों में स्वाभाविक रूप से होते हैं। इन मानवीय कमियों को न दूर कर वाले तिरस्कार सहते हुए कष्ट भोगते हैं। नया जमाना हो या सदियों पुराना, हर दौर में कई ऐसे लोग हुए हैं जिन्होंने छल-कपट में आकर ऐसे बड़े-बड़े कांड कर दिए जिनके बारे में तब सोचना भी संभव नहीं था।

यहां बात 300 साल पहले मशहूर हुई मैगी डिकशन की, जिनकी यादें सात समंदर पार बैठे लोगों में दिलो दिमाग में आज भी ताजा हैं।

'मौत भी जिसका बाल बांका न कर सकी' : रिपोर्ट के मुताबिक स्कॉटलैंड के इतिहास में अवैध संबंधों का एक ऐसा मामला सामने आया था, जिसने लोगों को हिला कर रख दिया था। ये क्राइम थ्रिलर स्टोरी सन 1700 के आसपास शुरू होती है। सामाजिक बुराइयों से जुड़े इस गंभीर मामले में मैगी डिकशन को मौत की सजा सुनाई गई थी। मैगी नाम की इस महिला ने अपने पति से बेवफाई की और दूसरे मर्द के बच्चे की मां बन गई। कानून तोड़ने पर उसे फांसी की सजा सुनाई गई पर मौत भी मानो उसका कुछ बिगाड़ नहीं पाई।

'मैगी की कहानी पूरी फिल्मी है' : मैगी की कहानी ऐसे-ऐसे किरदारों और किस्सों से भरी हुई है, जिनके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। मैगी का जन्म जब हुआ तब महिलाओं की जिंदगी पुरुष प्रधान मानसिकता और कई तरह की यातनाओं से भरी थी। औरतों को पति के आगे झुककर रहना पड़ता था। मर्दों की सेवा, बच्चे पैदा करना और उन्हें पालना ही उनका काम होता था। मैगी के पिता भी फिल्मों के किसी विलेन की तरह शराबी थे जो उसकी मां को अक्सर पीटते रहते थे। मैगी की शादी एक मछुआरे से हुई और वो जल्द ही दो बच्चों की मां बन गई। पर मैगी ऐसी लाइफ नहीं जीना चाहती थी। आजाद ख्याल मैगी गरीब घर में पैदा हुई थी पर वो गरीबी में मरना नहीं चाहती थी। उसे हर हाल में अपने सपने पूरे करने थे। उसे ऐश ओर आराम की जिंदगी जीनी थी। ऐसे में उसने अपनी खूबसूरती के जाल में मर्दों को फंसाकर पैसे कमाने का फैसला किया। उसका पति मछलियां पकड़ने समुद्र में जाता था तब वो मछलियां बेचने एडिनबर्ग जाती थी, जहां वो कुछ रईस मर्दों के संपर्क में आ गई।

नियम तोड़ा तो मिली सजा : स्कॉटलैंड और आस पास में अवैध संबंध और अबॉर्शन दोनों संगीन अपराध थे। लेकिन मैगी बिना डरे नोटों में खेल रही थी। कुछ दिन बाद उसके पति की नौकरी लग गई तो वह लंबे समय के लिए परदेश चला गया। तब मैगी ने किसी करोड़पति से शादी करने की आस में इंग्लैंड जाने का प्लान बनाया। उसने बच्चों को एक दोस्त के घर छोड़ दिया। वो न्यूकासल जाना चाहती थी पर वहां जाने का रास्ता कठिनाइयों से भरा था। इसलिए वो बीच रास्ते में एक 'बार' में नौकरी करने लगी। लेकिन अमीर बनने का सपना उसे चैन से जीने नहीं दे रहा था। इसी दौरान वो 'बार' की मालकिन के बेटे से दिल लगा बैठी। इस रिश्ते से वो जब प्रेग्नेंट हो गई तो डर गई क्योंकि उसे अवैध संबंधों की सजा के बारे में पता था। इसलिए उसने प्रेग्नेंसी छुपाई और चोरी-छिपे बच्चे को जन्म दिया। कहा जाता है कि उसने अपने बच्चे को मारने के बाद शव को नदी में फेंक दिया। मैगी की किस्मत खराब थी क्योंकि एक मछुआरे ने उसे देख लिया।